भारत – किर्गीस्तान गणराज्य संबंध

ऐतिहासिक दृष्टि से मध्य एशिया, विशेष रूप से उन देशों के साथ भारत के करीबी रिश्ते रहे हैं जो प्राचीन सिल्क रूट के अंग थे जिसमें किर्गीस्तान भी शामिल है। सोवियत काल के दौरान, भारत और तत्कालीन किर्गीज गणराज्य के बीच राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक संपर्क सीमित थे। पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी ने 1985 में बिस्केक एवं इस्सायक कूल लेक का दौरा किया। 31 अगस्त, 1991 को किर्गीज गणराज्य के आजाद होने के बाद भारत ऐसे पहले देशों में था जिन्होंने 18 मार्च, 1992 में राजनयिक संबंध स्थापित किए; भारत का रेजीडेंट मिशन 23 मई, 1994 में स्थापित किया गया।

राजनीतिक संबंध

किर्गीज गणराज्य के साथ राजनीतिक संबंध परंपरागत रूप से मधुर एवं मैत्रीपूर्ण हैं। किर्गीज गणराज्य संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाईसदस्यतालिए भारत की उम्मीदवारी का भी समर्थन करता है तथा शंघाई सहयोग संगठन (एस सी ओ) में भारत की पूर्ण सदस्यता का समर्थन करता है। आतंकवाद, अतिवाद एवं दवाओं की तस्करी से जुड़े खतरों पर दोनों देशों के सरोकार एक समान हैं। 1992 में, राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से दोनों देशों ने अनेक रूपरेखा करारों पर हस्ताक्षर किया है जिसमें संस्कृति, व्यापार और आर्थिक सहयोग, नागर विमानन, निवेश संवर्धन एवं संरक्षण, दोहरा कराधान परिहार, कांसुलर अभिसमय आदि पर सहयोग करार शामिल है।

संस्थानिक स्तर पर 7वें विदेश कार्यालय परामर्श का आयोजन 19 मार्च 2015 को बिश्केक में हुआ। भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व श्री नवतेज सिंह सरना, सचिव (पश्चिम), विदेश मंत्रालय द्वारा किया गया तथा किर्गिस्तान के शिष्टमंडल का नेतृत्व किर्गिस्तान के उप विदेश मंत्री श्री एरिनेस ओटोरबायेव द्वारा किया गया। विदेश कार्यालय परामर्श की 6वीं बैठक 4 अगस्त 2011 को नई में हुई थी। भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व सचिव (पूर्व) द्वारा किया गया तथा किर्गिस्तान के शिष्टमंडल का नेतृत्व किर्गिस्तान के उप विदेश मंत्री श्री नुरलान ऐटमुर्जायेव द्वारा किया गया। व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय सहयोग पर एक भारत – किर्गीज संयुक्त आयोग का गठन 1992 में किया गया। व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय सहयोग पर भारत - किर्गीज अंतर सरकारी आयोग की 7वीं बैठक 17 और 18 मार्च 2015 को नई दिल्ली में हुई तथा दोनों देशों के बीच एक प्रोटोकाल पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों देशों के बीच (i) टेक्सटाइल और (ii) जल विद्युत के क्षेत्र में सहयोग के लिए एम ओ यू पर हस्ताक्षर भी किए गए।

भारत – किर्गीज राजनयिक संबंध की स्थापना का 20वां साल 2012 में पूरा हुआ। भारत ने 10 से 13 जून, 2012 के दौरान विदेश राज्य मंत्री श्री ई. अहमद की किर्गीज गणराज्य की यात्रा के दौरान अपनी "मध्य एशिया को जोड़ो नीति'' की घोषणा की तथा बिस्केक में पहली भारत – मध्य एशिया ट्रैक-2 वार्ता का आयोजन किया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में राज्य मंत्री (ई ए) ने घोषणा की कि भारत टेली मेडिसिन और टेली एजुकेशन को बढ़ावा देने के लिए मध्य एशिया में ई नेटवर्क स्थापित करना चाहता है। इस यात्रा के दौरान उन्होंने किर्गिस्तान की प्रधानमंत्री श्री ओमरबेक बाबानोव से मुलाकात की तथा किर्गिस्तान के विदेश मंत्री रुस्लान कजाकबायेव के साथ द्विपक्षीय वार्ता की।

विदेश मंत्री ने 12 और सितंबर 2013 को किर्गिस्तान का दौरा किया। 12 सितंबर को विदेश मंत्री ने किर्गिस्तान के विदेश मंत्री एरलान अब्डिलदायेव से मुलाकात की तथा अपनी यात्रा के द्विपक्षीय घटक के रूप में राष्ट्रपति आतमबायेव से भेंट की और इसके बाद उन्होंने एस सी ओ शिखर बैठक में भाग लिया। एस सी ओ शिखर बैठक

के दौरान अतिरिक्त समय में विदेश मंत्री ने ईरान के राष्ट्रपति हसन रुहानी, मंगोलिया के राष्ट्रपति एलबेगडोर्ग और एस सी ओ महासचिव माजेनटसेव के साथ द्विपक्षीय बैठकें की।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 11 और 12 जुलाई, 2015 को किर्गिस्तान का दौरा किया। भारत के किसी प्रधानमंत्री द्वारा 20 वर्षों के बाद यह यात्रा की गई। प्रधानमंत्री ने किर्गिस्तान के राष्ट्रपति अल्माजबेक आतमबायेव, स्पीकर असाइलबेक जीनबेकोव और प्रधानमंत्री तेमिर सरियेव के साथ बैठकें की। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने विक्ट्री स्क्वेयर पर माल्यार्पण किया, फील्ड हास्पिटल को उपहार में चिकित्सा उपकरण प्रदान किया, भारत - किर्गिस्तान माउंटेन बायो मेडिकल रिसर्च सेंटर का दौरा किया, भारत में सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों के साथ किर्गिस्तानि के अस्पतालों के बीच टेली मेडिसिन लिंक का उद्घाटन किया और महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया। रक्षा सहयोग, संस्कृति, चुनाव तथा मानकीकरण के क्षेत्र में 4 एम ओ यू / करारों पर हस्ताक्षर किए गए। प्रधानमंत्री मोदी तथा राष्ट्रपति आतमबायेव द्वारा एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया।

विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज तथा किर्गिस्तान के विदेश मंत्री एरलान अब्दिलदायेव ने 8 और 9 दिसंबर 2015 को इस्लामाबाद में आयोजित हार्ट ऑफ एशिया सम्मेलन के दौरान अतिरिक्त समय में मुलाकात की तथा द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की।

उच्च स्तर पर अनेक यात्राओं के माध्यम से हमारे घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हुए हैं। यहां नीचे कुछ महत्वपूर्ण यात्राओं का उल्लेख किया गया है :

भारत की ओर से :

क)वी वी आई पी यात्राएं :

i) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (12 और 12 जुलाई 2015)
ii) उप राष्ट्रपति कृष्ण कांत (अगस्त,1999)
iii) उप राष्ट्रपति के आर नारायणन (सितंबर,1996)
iv) प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव (सितंबर,1995)

ख) अन्य यात्राएं :

i) ब्रिगेडियर के नेतृत्व में आर्मी वार कालेज के 17 सैन्य अधिकारियों का एक शिष्टमंडल (11 से 16 अक्टूबर 2015)
ii) सचिव (रक्षा अनुसंधान एवं विकास), डीजी (डी आर डी ओ) एवं रक्षा मंत्री के विशेष सलाहकार श्री अविनाश चंद्र के नेतृत्व में 5 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 25 से 28 अक्टूबर, 2014 के दौरान किर्गीज गणराज्य का दौरा किया।
iii) मेजर जनरल अनुराग गुप्ता के नेतृत्व में एक 16 सदस्यीय एन डी सी शिष्टमंडल (11 से 16 मई, 2014)
iv) विदेश मंत्री श्री सलमान खुर्शीद (सितंबर 2013)
v) वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्रीमती दग्गूबती पूरनदेश्वरी (जुलाई 2013)
vi) विदेश राज्य मंत्री श्री ई अहमद (जून 2012)
vii) रक्षा मंत्री श्री ए के अंटोनी (जुलाई, 2011)
viii) पेट्रोलियन एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री मुरली एस देवड़ा (अगस्त, 2007)
ix) रक्षा मंत्री श्री जार्ज फर्नांडिस (नवंबर, 2003)
x) विदेश मंत्री श्री यशवंत सिन्हा (जनवरी 2003)

किर्गिस्तान की ओर से :

क)वी वी आई पी यात्राएं :

i) प्रथम उप प्रधानमंत्री डजूमार्ट ओटोरबायेव (मई 2013)
ii) राष्ट्रपति अकायेव द्वारा भारत की चार यात्राएं (मार्च, 1992, अप्रैल,1999, अगस्त, 2002 तथा नवंबर, 2003);
iii) प्रधानमंत्री श्री अपस जुमागुलोव (मई 1997)
iv) उप प्रधानमंत्री सुश्री मीरा जंगावाचेवा (मार्च 1997)

ख) अन्य यात्राएं :

i) ऊर्जा एवं उद्योग मंत्री श्री कुबांचबेक तुरदुबायेव (मार्च 2015)
ii) केन्द्रीय निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष श्री तुगुनाली अब्ड्रैमोव (अक्टूबर 2014)
iii) विदेश मंत्री श्री इर्लान अब्देलदेव (फरवरी, 2014)
iv) रक्षा मंत्री मेजर जनरल तलैबेक बी ओमुरालियेव (सितंबर, 2013)
v) रक्षा मंत्री श्री कुडाईबेर्डिएव एबिलिला एलिमोविच (सितंबर, 2011)
vi) विदेश मंत्री श्री एडनान काराबेव ओस्कोनोविच (फरवरी, 2008)
vii) रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल आई ईसाकोव (नंवबर, 2005)
viii) राज्य सचिव श्री आई ए अब्दुर्जाकोव (अप्रैल 1997)

वाणिज्यिक संबंध :

भारत - किर्गीज व्यापार वर्ष 2014-15 में 38.53 मिलियन अमरीकी डालर था। किर्गीस्तान को भारतीय निर्यात का मूल्य 37.76 मिलियन अमरीकी डालर था, जबकि किर्गीस्तान की ओर से भारत को निर्यात का मूल्य 0.77 मिलियन अमरीकी डालर था। किर्गीस्तान को हम जिन वस्तुओं का निर्यात करते हैं उनमें मुख्य रूप से परिधान एवं कपड़ा, चमड़े के सामान, औषधियां एवं भेषज पदार्थ, बारीक रसायन एवं चाय शामिल हैं। किर्गीस्तान भारत को मुख्य रूप से कच्ची खाल, मेटलीफर अयस्क तथा मेटल स्क्रैप आदि का निर्यात करता है।

फेडरेशन ऑफ इंडियन चेंबर्स आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री तथा किर्गीज चेंबर्स आफ इंडस्ट्रीज के बीच भारत – किर्गीज संयुक्त व्यापार परिषद की पांचवीं एवं छठवीं बैठक क्रमश: 19 मार्च, 2014 को बिस्केक में और 02-03 दिसंबर, 2014 को नई दिल्ली में हुई।

1995 में, भारत ने किर्गीस्तान को 5 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता प्रदान की थी, तथा इसमें से 2.78 मिलियन अमरीकी डालर का वितरण चार परियोजनाओं के लिए किया गया – टूथब्रश बनाने के लिए एक प्लांट, पोलिथीन बैग बनाने के लिए एक प्लांट, एक टूथपेस्ट उत्पादन प्लांट और एक भेषज पदार्थ प्लांट। किर्गीज गणराज्य ने 1.66 मिलियन अमरीकी डालर का ऋण चुकता कर दिया है तथा शेष राशि को अनुदान में परिवर्तित कर दिया गया है।

अगस्त, 2002 में राष्ट्रपति याकीव की भारत यात्रा के दौरान, भारत सरकार ने किर्गीस्तान में एक आईटी विकास केंद्र तथा एक आलू प्रसंस्करण प्लांट स्थापित करने का प्रस्ताव किया था। आईटी विकास केंद्र स्थापित करने के लिए एम ओ यू पर हस्ताक्षर बिस्केक में 20 मार्च, 2006 को किया गया। भारतीय कार्यान्वयन एजेंसी एच एम टी (आई) ने बिस्केक में भारत – किर्गीज सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र का गठन किया तथा 15 अगस्त, 2007 को भारत के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री मुरली एस देवरा द्वारा औपचारिक रूप से इस केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस समय यह केंद्र अल्प अवधि के आईटी पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है तथा अब तक किर्गीस्तान के 1000 से अधिक पेशेवरों को प्रशिक्षित कर चुका है।

टलास, किर्गीस्तान में पोटैटो चिप्स एवं पोटैटो फ्लेक्स के उत्पादन के लिए एक आलू प्रसंस्करण प्लांट की स्थापना के लिए मई, 2009 में एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया। यह परियोजना मध्य एशिया को भारत की सहायता के तहत शुरू की गई। 12 जून, 2012 को विदेश राज्य मंत्री श्री ई. अहमद द्वारा प्लांट का उद्घाटन किया गया। भारत सरकार ने टू आशू पास में किर्गीस्तान में एक पर्वतीय जैव चिकित्सा अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए सहायता प्रदान की है। रक्षा मंत्री श्री ए के एंटोनी द्वारा 5 जुलाई, 2011 को इस केंद्र का उद्घाटन किया गया।

फार्मेक्सिल के तत्वावधान में भारत से 50 कंपनियों के एक फार्मास्युटिकल शिष्टमंडल ने फार्मास्युटिकल उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए 12 और 13 मार्च 2015 को बिश्केक का दौरा किया। किर्गिस्तान से कृषि मंच के 6 सदस्यों ने 10 से 14 मार्च 2015 के दौरान 30वें आहार इंटरनेशनल फेयर 2015 में भाग लिया, जो भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आई टी पी ओ) द्वारा आयोजित एक कृषि कार्यक्रम है। सबसे बड़े माल 'बिश्केक पार्क' में 19 से 21 जून 2015 के दौरान भारत दिवस मनाया गया। टेक्सटाइल, हैंडीक्राफ्ट, आर्टीफिशियल ज्वैलरी, फुटवियर का प्रतिनिधित्व करने वाली भारतीय कंपनियों ने इसमें भाग लिया। कृषि सहयोग पर एक गोलमेज का आयोजन 15 जुलाई 2015 को बिश्केक में हुआ। इस गोलमेज में किर्गिस्तान के कृषि संघों, मीडिया घरानों तथा व्यक्तिगत किसानों के लगभग 110 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) कार्यक्रम के तहत तकनीकी सहायता, विशेष रूप से मानव संसाधन विकास के लिए सहायता किर्गीस्तान में भारत की आर्थिक भागीदारी की आधारशिला है। किर्गीस्तान ने 2014-15 के लिए 85 स्लाटों का उपयोग किया है। 1992 से किर्गीस्तान के 1040 से अधिक पेशेवरों ने भारत में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। 2015-16 के लिए 90 स्लाट आवंटित किए गए हैं।

सांस्कृतिक संबंध :

सामान्यतौर पर, किर्गीस्तान में भारतीय संस्कृति को सम्मान की नजर की देखा जाता है। 1997 में ओश राज्य विश्वविद्यालय में स्थापित भारतीय अध्ययन केंद्र इस देश के शिक्षाविदों एवं बुद्धिजीवियों को भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता के बारे में जानकारी प्रदान करने में उपयोगी साबित हुआ है। ओश में बगावत की वजह से वर्ष 2010 से यह केंद्र बंद कर दिया गया है। बिस्केक (जनवरी, 2014) और इसाइक कुल (जुलाई, 2014) में कथक नृत्य की दो कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। आईसीसीआर द्वारा प्रायोजित एक 10 सदस्यीय भांगड़ा नृत्य मंडली "भोला पंछी" ने 18 अक्टूबर को बिस्केक में तथा 19 अक्टूबर, 2014 को कारा-बाल्टा में अपनी कला का प्रदर्शन किया। बिस्केक में प्रतिष्ठित किर्गीस्तान राष्ट्रीय पुस्तकालय में मिशन द्वारा एक भारतीय अध्ययन केंद्र स्थापित किया गया तथा 14 नवंबर, 2014 को इसका उद्घाटन किया गया। पंडित प्रतीक चौधरी के नेतृत्व में एक 7 सदस्यीय सितार (फ्यूजन) ग्रुप, जिसे आई सी सी आर ने प्रायोजित किया था, ने 28 एवं 29 मार्च 2015 को क्रमश: बिश्केक और ओश में अपनी कला का प्रदर्शन किया। भारत के एक प्रख्यात संगीतज्ञ श्री ध्रुव घोष, जो भारतीय विद्या भवन, मुंबई के प्रधानाचार्य हैं, ने 5 अगस्त 2015 को सेंट्रल एशियन आर्केस्ट्रा के साथ बिश्केक में परफार्म किया। आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित नाट्य एस टी ई एम डांस कंपनी ने 20 अक्टूबर 2015 को किर्गिस्तान के सबसे प्रतिष्ठित नेशनल फिलहार्मोनी हाल में अपनी कला का प्रदर्शन किया।

भारतीय समुदाय

लगभग 3500 भारतीय छात्र किर्गीस्तान की विभिन्न चिकित्सा संस्थाओं में चिकित्सा पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कर रहे हैं। कुछ कारोबारी किर्गीस्तान में व्यापार एवं सेवा के क्षेत्र से जुड़े हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, बिसकेक की वेबसाइट ::
http://www.embassyofindia.kg/

***

जनवरी, 2016